Garhwal Post
16-7-2022

Forest Entomology Museum & Technology Demonstration Centre inaugurated at FRI

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 15 Jul: The Forest Entomology Museum and Technology Demonstration Centre was inaugurated by Chandra Prakash Goyal, Director General, Forests, and Special Secretary to MoEF&CC, at the Forest Research Institute, here, today.

He was accompanied by Satya Prakash Yaday, ADG(FC), MoEF&CC, Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE, and Dr Renu Singh, Director, Forest Research Institute. GS Uma, Scientist, Forest Protection Division, explained the museum to the visiting dignitaries on this occasion.

The museum in FRI is one of the country's oldest Entomology Museums, formally opened in 1930 and was later renovated and reopened today for public viewing. It houses

approximately 2000 exhibits which include seeds, saplings and wood specimens depicting the nature of damage caused by various insect pests, plant protection equipment, various kinds of traps and insect specimens of important orders and major insect pests of forestry species. Rambir Singh, Scientist-E, Extension Division, explained the technologies demonstrated at the centre along with innovators of the technologies. It depicts technologies developed by the Forest Research Institute, Dehradun, and other institutes of the Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), like Arid Forest Research Institute, Jodhpur, Tropical Forest Research Institute, Jabalpur, Institute of Wood Science & Technology, Bengaluru, Institute of Forest Genetics & Tree Breeding, Coimbatore.

Shah Times
16-7-2022

एफआरआई में वन कीट विज्ञान संग्रहालय व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में कीट विज्ञान संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केन्द्र का उद्घाटन शनिवार को महानिदेशक एवं विशेष सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली चंद्र प्रकाश गोयल, वन महानिदेशक (एफसी) सत्य प्रकाश यादव, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् अरुण सिंह रावत, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान डॉ. रेनू सिंह की उपस्थिति में किया गया।

वैज्ञानिक, वन संरक्षण प्रभाग जीएस उमा ने संग्रहालय के संबंध मे महानिदेशक फॉरेस्ट को विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में यह संग्रहालय देश के सबसे पुराने कीट- विज्ञान संग्रहालयों में से एक है, जिसे औपचारिक रूप से 1930 में शुरू किया गया था एवं वर्तमान में

■ महानिदेशक एवं विशेष सचिव वन एवं पर्यावरण मंत्रालय गोयल रहे मौजूद

इसका जीर्णोद्धार किया गया। इसमें लगभग 2000 प्रदर्शनियां हैं, जिनमें बीज, पौधे और लकड़ी के नमूने, विभिन्न कीटों, पौधों की सुरक्षा के उपकरण, विभिन्न प्रकार के कीटो के जाल, महत्वपूर्ण गणों के कीट नमूने और वानिकी प्रजातियों के प्रमुख कीट शामिल है, जो कीटों से होने वाले नुकसान की प्रकृति को दर्शाते हैं। संग्रहालय का मध्य भाग कीटो के प्राकृतिक आवास को दर्शाता है। संस्थान के विस्तार प्रभाग के रामबीर सिंह वैज्ञानिक-ई ने अन्य अन्वेषकों के साथ प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र में प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। उन्होने बताया के एफआरआई, देहरादून में एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र, देहरादून विकसित किया गया है।

The Himachal Times
16-7-2022

Forest Entomology Museum, Technology Demonstration Centre inaugurated at FRI

Dehradun, July 15 (HTNS): The Forest Entomology Museum and Technology Demonstration Centre was inaugurated by Chandra Prakash Goyal, Director General Forests and Special Secretary to MoEF and CC, New Delhi on Friday. He was accompanied by Satya Prakash Yaday, ADG (FC), MoEF and CC, Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE and Dr Renu Singh, Director, Forest Research Institute Dehradun. GS Uma, Scientist, Forest Protection Division shed light on the various facets of the museum to the visiting dignitaries. The FRI's museum is one of the country's oldest Entomology Museums which was formally opened in 1930. It was later renovated and was reopened on Friday for public viewing. It houses approximately 2000 exhibits which include seeds, saplings and wood specimens depicting the nature of damage caused by various insect pests, plant protection equipment, various kinds of traps and insect specimens of important orders and major insect pests of forestry species. Rambir Singh, Scientist-E, Extension Division informed about the technologies demonstrated in the centre and also shed light on the innovators of the technologies. The museum showcases the techniques and technologies developed by the Forest Research Institute, Dehradun and other institutes of the Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE), Dehradun such as Arid Forest Research Institute, Jodhpur, Tropical Forest Research Institute, Jabalpur, Institute of Wood Science and Technology, Bengaluru, Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore.

I-Next
16-7-2022

एफआरआई में वन कीट विज्ञान म्यूजियम शुरू

देश के सबसे पुराने कीट का संग्रह, बीज, लकड़ी के नमूने

DEHRADUN (15 July): वन महानिदेशक ने एफआरआई में वन कीट विज्ञान संग्रहालय व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया. यहां देश के सबसे पुराने कीट का संग्रह है. साथ ही बीज, पौधे, लकड़ी के नमूने भी हैं. एफआरआई में केंद्रीय वन महानिदेशक व विशेष सचिव चंद्र प्रकाश गोयल पहुंचे. इस मौके पर उन्होंने अतिरिक्त वन महानिदेशक सत्य प्रकाश यादव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक अरुण सिंह रावत व एफआरआई की डायरेक्टर डा. रेनू सिंह की उपस्थिति में वन कीट विज्ञान संग्रहालय व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का इनॉग्रेशन किया.बताया कि एफआरआई दून में यह म्यूजियम देश के सबसे पुराने कीट विज्ञान संग्रहालयों में से एक है. जिसे औपचारिक रूप से 1930 में शुरू किया गया था और अब इसका जीर्णोद्धार किया गया. इसमें लगभग 2000 प्रदर्शनियां हैं. जिनमें बीज, पौधे और लकड़ी के नमूने, विभिन्न कीटों, पौधों की सुरक्षा के उपकरण, विभिन्न प्रकार के कीटों के जाल और वानिकी प्रजातियों के प्रमुख कीट शामिल हैं. जो कीटों से होने वाले नुकसान की प्रकृति को दर्शाते हैं. म्यूजियम का मध्य भाग कीटों के प्राकृतिक आवास को दर्शाता है.

Dainik Jagran
16-7-2022

एफआरआइ में विज्ञान संग्रहालय व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र शुरू

जागरण संवाददाता, देहरादून: देश के वन महानिदेशक ने वन अनुसंधान संस्थान में वन कीट विज्ञान संग्रहालय व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया। यहां देश के सबसे पुराने कीट का संग्रह है। साथ ही बीज, पौधे, लकड़ी के नमूने भी शामिल किए गए हैं।

वन अनुसंधान संस्थान में केंद्रीय वन महानिदेशक व विशेष सचिव चंद्र प्रकाश गोयल पहुंचे। यहां उन्होंने अतिरिक्त वन महानिदेशक सत्य प्रकाश यादव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक अरुण सिंह रावत व वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डा. रेनू सिंह की उपस्थिति में वन कीट विज्ञान संग्रहालय व प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन किया। वन संरक्षण प्रभाग की विज्ञानी जीएस उमा ने संग्रहालय के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में यह संग्रहालय देश के सबसे पुराने कीट विज्ञान संग्रहालयों में से एक है। जिसे औपचारिक रूप से 1930 में शुरू किया गया था और अब इसका जीर्णोद्धार किया गया। इसमें लगभग 2000 प्रदर्शनियां हैं, जिनमें बीज, पौधे और लकड़ी के नमूने, विभिन्न कीटों, पौधों की सुरक्षा के उपकरण, विभिन्न प्रकार के कीटों के जाल और वानिकी प्रजातियों के प्रमुख कीट शामिल हैं। जो कीटों से होने वाले नुकसान की प्रकृति को दर्शाते हैं।

Amar Ujala
16-7-2022

शुरुआत

वन कीट विज्ञान संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी केंद्र का वन महानिदेशक ने किया उद्घाटन

एफआरआई में आधुनिक तकनीक से भी रूबरू होंगे पर्यटक

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में पर्यटक अब कीट-पतंगों के साथ ही वन अनुसंधान की विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों से भी रूबरू हो सकेंगे। शुक्रवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के महानिदेशक एवं विशेष सचिव चंद्रप्रकाश गोयल ने कीट विज्ञान संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी केंद्र का उद्घाटन किया।

इस दौरान एफआरआई के वन संरक्षण प्रभाग की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जीएस उमा ने वन महानिदेशक को कीट विज्ञान संग्रहालय और प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह देश के सबसे पुराने कीट-विज्ञान संग्रहालयों में से एक है। इसकी शुरुआत वर्ष 1930 में की गई थी। नौ दशक पुराने कीट विज्ञान संग्रहालय का जीर्णोद्धार कर इसमें लगभग दो हजार प्रजातियों को संरक्षित किया गया है।

संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी केंद्र के उद्घाटन के दौरान मौजूद अतिथि। संवाद

कीट विज्ञान संग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी केंद्र का किया उद्घाटन

इनमें बीज, पौधे और लकड़ी के नमूने, विभिन्न कीटों, पौधों की सुरक्षा के उपकरण, विभिन्न प्रकार के कीटों के जाल, महत्वपूर्ण गणों के कीट नमूने और वानिकी प्रजातियों के प्रमुख कीट शामिल हैं।

संग्रहालय के मध्य भाग में कीटों के प्राकृतिक आवास को दर्शाने वाली चीजों को लगाया गया है। संस्थान के विस्तार प्रभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामवीर सिंह ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी केंद्र में प्रदर्शित प्रौद्योगिकी के बारे में बताया। प्रदर्शनी केंद्र में कई संस्थानों के वैज्ञानिकों की ओर से विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया है।

इस दौरान अतिरिक्त वन महानिदेशक (एफसी) सत्य प्रकाश यादव, महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् अरुण सिंह रावत, निदेशक वन अनुसंधान संस्थान रेनू सिंह उपस्थित थे।